# 11 अविकारी शब्द

## Indeclinable Words

*लिंग, वचन, काल; संज्ञा या सर्वनाम; कोई बदले; पर नहीं बदलना मेरा काम,*
*तभी तो भाषा ने दिया मुझको, 'अव्यय' या 'अविकारी' नाम।*

हिरन तेज़ भागता है। प्रथम और मनु मित्र हैं। शरबत के अंदर बरफ़ है। वाह! मज़ा आ ग

ऊपर दिए गए वाक्यों में रंगीन छपे शब्द 'तेज़', 'और', 'के अंदर' तथा 'वाह' ऐसे शब्द जिनके रूप में संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, वचन या काल आदि के कारण कोई परिवर्तन नहीं होता; जैसे

विराज तेज़ चलता है। वे तेज़ चलते हैं। लड़कियाँ तेज़ चलेंगी।

ऐसे शब्दों को अव्यय या अविकारी शब्द कहते हैं।

**वे शब्द जिनमें संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, वचन, काल आदि के कारण कोई विकार या परिवर्तन नहीं होता, अविकारी शब्द कहलाते हैं।**

**अविकारी शब्द चार प्रकार के होते हैं—**

**1. क्रियाविशेषण**

**2. संबंधबोधक**

**4. विस्मयादिबोधक**

**3. समुच्चयबोधक**

## 1. क्रियाविशेषण (Adverb)

टेलीविज़न पर इस समय 'अशोक' धारावाहिक आ रहा है। सभी यहाँ धारावाहिक देखने के लिए बैठे हैं। बच्चे ध्यानपूर्वक धारावाहिक देख रहे हैं। मम्मी-पापा बच्चों को थोड़ा-बहुत समझा रहे हैं।

इन वाक्यों में छपे रंगीन शब्द किसी न किसी रूप में क्रिया की विशेषता बता रहे हैं; जैसे—'इस समय' शब्द क्रिया का काल, 'यहाँ' क्रिया के होने का स्थान, 'ध्यानपूर्वक' क्रिया के होने का ढंग (रीति) और 'थोड़ा-बहुत' क्रिया का परिमाण बता रहे हैं।

**जो शब्द क्रिया का स्थान, काल, रीति तथा परिमाण से संबंधित विशेषताएँ बताते हैं, उन्हें क्रियाविशेषण कहते हैं।**

क्रियाविशेषण चार प्रकार के होते हैं—

1. कालवाचक 2. स्थानवाचक 3. रीतिवाचक 4. परिमाणवाचक

### 1. कालवाचक क्रियाविशेषण—

पिता जी प्रतिदिन योग करते हैं।

समर्थ अभी-अभी मैच जीतकर आया है।

आज सूर्यग्रहण होगा।

इन वाक्यों में आए 'प्रतिदिन', 'अभी-अभी' तथा 'आज' शब्द क्रिया के होने का समय बता रहे हैं।

**जो शब्द क्रिया के होने का काल ( समय ) बताते हैं, उन्हें कालवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं।**

जैसे— आज, परसों, कल, सदा, तब, प्रतिदिन, हमेशा आदि।

**पहचान—** क्रिया के साथ 'कब' प्रश्न करने पर जो उत्तर मिले, वह कालवाचक क्रियाविशेषण होता है।

| वाक्य | प्रश्न | उत्तर |
| --- | --- | --- |
| * दीवा आज विद्यालय जाएगी। | कब जाएगी? | आज जाएगी। |

**2. स्थानवाचक क्रियाविशेषण—**

लट्टू इधर-उधर घूम रहा है।

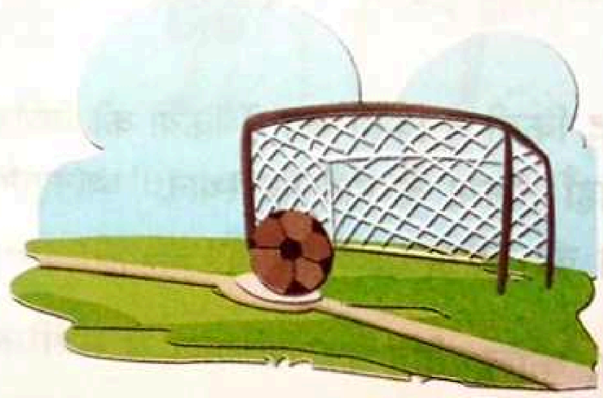

यहाँ फुटबॉल मैच होगा।

बच्चे अंदर बैठे हैं।

इन वाक्यों में आए 'इधर-उधर', 'यहाँ' तथा 'अंदर' क्रिया के होने का स्थान बता रहे हैं।

**जो शब्द क्रिया के होने का स्थान बताते हैं, उन्हें स्थानवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं।**

जैसे— बाहर, सर्वत्र, चारों ओर, नीचे, ऊपर आदि।

**पहचान—** क्रिया के साथ 'कहाँ', 'किधर' प्रश्न करने पर जो उत्तर मिलता है, वह स्थानवाचक क्रियाविशेषण होता है; जैसे—

| वाक्य | प्रश्न | उत्तर |
| --- | --- | --- |
| * हवाई जहाज़ ऊपर उड़ रहा है। | कहाँ उड़ रहा है? | ऊपर |

### 3. रीतिवाचक क्रियाविशेषण—

शतरंज ध्यानपूर्वक खेलना पड़ता है।

खरगोश तेज़ दौड़ता है।

नाना जी अचानक आ गए।

इन वाक्यों में 'ध्यानपूर्वक', 'तेज़' तथा 'अचानक' क्रिया के होने का तरीका बता रहे हैं।

**क्रिया के होने का तरीका या रीति बताने वाले शब्दों को रीतिवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं।**

जैसे— धीरे-धीरे, हँसते-हँसते, शांतिपूर्वक, शीघ्रता से, अनायास, अचानक, जल्दी आदि।

**पहचान—** क्रिया के साथ 'कैसे' प्रश्न करने पर जो उत्तर मिलता है, वह रीतिवाचक क्रियाविशेषण होता है; जैसे—

| वाक्य | प्रश्न | उत्तर |
|---|---|---|
| * प्रथम आने के लिए लगातार अभ्यास करें। | कैसे अभ्यास करें? | लगातार |

### 4. परिमाणवाचक क्रियाविशेषण—

गरमी में पानी ज़्यादा पीना चाहिए।

मिठाई कम खाओ।

खूब हँसना स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है।

इन वाक्यों में 'ज़्यादा', 'कम' तथा 'खूब' शब्द क्रिया की मात्रा या परिमाण बता रहे हैं।

जिन शब्दों से क्रिया की मात्रा या परिमाण का बोध होता है, उन्हें परिमाणवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं।

जैसे— काफ़ी, पर्याप्त, जितना-उतना, पूरा, थोड़ा, अधिक, बिलकुल, लगभग आदि।

**पहचान**— क्रिया के साथ 'कितना' प्रश्न करने पर जो उत्तर मिलता है, वह परिमाण क्रियाविशेषण होता है; जैसे—

| वाक्य | प्रश्न | उत्तर |
|---|---|---|
| ✳ अधिक बोलना अच्छा नहीं होता। | कितना बोलना | अधिक |

## विशेषण और क्रियाविशेषण में अंतर

जब कोई शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताता है तो विशेषण होता है, लेकिन जब क्रिया के साथ लगकर क्रिया की विशेषता बताता है तो क्रियाविशेषण कहलाता है।

| विशेषण | क्रियाविशेषण |
|---|---|
| मानसी सुंदर है। | मानसी सुंदर लिखती है। |
| गमले में बहुत पौधे हैं। | राधा बहुत बोलती है। |

—क्रियाविशेषण के भेद याद रखने के लिए सूत्र— **'ककक़ैकि'** याद रखें।

**क (कब)** — कालवाचक क्रियाविशेषण | **कै (कैसे)** — रीतिवाचक क्रियाविशेषण
**क (कहाँ)** — स्थानवाचक क्रियाविशेषण | **कि (कितना)** —परिमाणवाचक क्रियाविशेषण

### हमने क्या जाना

- जो शब्द संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, वचन, काल आदि के बदलने पर भी नहीं बदलते, उन्हें अविकारी शब्द कहते हैं।
- अविकारी शब्द चार प्रकार के होते हैं—क्रियाविशेषण, संबंधबोधक, समुच्चयबोधक और विस्मयादिबोधक।
- क्रिया के होने का स्थान, समय, ढंग व मात्रा या परिमाण बताने वाले शब्द क्रियाविशेषण कहलाते हैं।
- क्रिया के होने का स्थान बताने वाले शब्द — स्थानवाचक
- क्रिया के होने का समय बताने वाले शब्द — कालवाचक
- क्रिया के होने का ढंग (रीति) बताने वाले शब्द — रीतिवाचक
- क्रिया के होने का परिमाण बताने वाले शब्द — परिमाणवाचक

# अभ्यास

## देखें, क्या जाना

1. अविकारी शब्द या अव्यय किसे कहते हैं?

..........................................................................................................

2. क्रियाविशेषण किसे कहते हैं? इसके कितने भेद हैं? उदाहरण सहित लिखो—

..........................................................................................................

..........................................................................................................

..........................................................................................................

..........................................................................................................

3. उचित क्रियाविशेषण भरकर वाक्य पूरे करो— ***(Decision Making)***

क. .......................... बारिश हो रही है। (आज, कल)

ख. पापा .......................... बैठे हैं। (बहुत, अंदर)

ग. राजकुमारी .......................... से हँसने लगी। (शोर, ज़ोर)

घ. .......................... खाओ, स्वस्थ रहो। (पतला, कम)

ङ. बच्चा .......................... खेल रहा है। (बाहर, थोड़ा)

4. नीचे दिए गए वाक्यों में से क्रियाविशेषण शब्द छाँटकर लिखो। उनके भेद भी बताओ—

| | क्रियाविशेषण | भेद |
|---|---|---|
| क. बिल्ली गटागट दूध पी गई। | .................. | .................. |
| ख. मीशा प्रतिदिन खेलती है। | .................. | .................. |
| ग. चूहा इधर-उधर दौड़ रहा है। | .................. | .................. |
| घ. तुम बिलकुल सही कर रहे हो। | .................. | .................. |
| ङ. दाएँ-बाएँ देखकर सड़क पार करनी चाहिए। | .................. | .................. |

## 2. संबंधबोधक (Preposition)

नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से विमान पेरिस जाने के लिए तैयार यात्री विमान के अंदर बैठे हैं। एक यात्री सीट के नीचे सावधानी से देख रहा है। कुछ लोग क के ऊपर सीट बेल्ट बाँध रहे हैं, तो कुछ खिड़की के बाहर देख रहे हैं।

इन वाक्यों में छपे रंगीन शब्द 'के लिए', 'के अंदर', 'के नीचे', 'के ऊपर' तथा 'के बा शब्द क्रमशः 'पेरिस', 'विमान', 'सीट', 'कमर' तथा 'खिड़की' संज्ञा शब्दों के बाद आए हैं इनका संबंध वाक्य के अन्य शब्दों के साथ बता रहे हैं।

**जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम शब्दों का संबंध वाक्य के अन्य शब्दों से बताते हैं, उन्हें संबंधबोधक अव्यय कहते हैं।**

**कुछ प्रमुख संबंधबोधक शब्द–** के भीतर, की अपेक्षा, की जगह, के सिवा, की ओर, द्वारा, के विपरीत, के समान, के आगे आदि।

उदाहरणार्थ, इन वाक्यों को पढ़ो–

* कप्तान के पीछे खिलाड़ी आ रहे हैं।
* सुरंग के भीतर अँधेरा है।
* रानी फूल की तरह कोमल है।
* पेड़ के ऊपर पक्षी रहते हैं।

यहाँ 'के पीछे', 'की तरह', 'के भीतर' और 'के ऊपर' शब्द क्रमशः कप्तान और खिलाड़ी, और कोमल, सुरंग और अँधेरा, पेड़ और पक्षी के बीच संबंध बता रहे हैं, अतः ये संबंधबोधक अव्यय

## हमने क्या जाना

- संज्ञा या सर्वनाम शब्दों का संबंध वाक्य के अन्य शब्दों से बताने वाले अविकारी शब्दों को **संबंधबोधक** कहते हैं।

# अभ्यास

## देखें, क्या जाना

1. **संबंधबोधक किसे कहते हैं? उदाहरण सहित बताओ—**

......................................................................................................

......................................................................................................

......................................................................................................

2. **निम्नलिखित वाक्यों में संबंधबोधक शब्दों पर घेरा लगाओ—**

**क.** नई टीम में अजीत की जगह सौरभ को लिया गया है।

**ख.** कुत्ता आदित्य के पीछे पड़ गया।

**ग.** यह रेल दक्षिण राज्यों की ओर जाती है।

**घ.** मुझे लाल की अपेक्षा हरा रंग ज़्यादा पसंद है।

**ङ.** भगवान के सिवा उसका कोई नहीं है।

3. **उचित संबंधबोधक शब्द लिखकर अनुच्छेद पूरा करो—**

सृजन के घर ...................... एक पेड़ है। उस पेड़ ...................... बहुत-से पक्षी रहते हैं। पेड़ ...................... बिल में एक साँप भी रहता है पर वह पक्षियों के घोंसले ...................... नहीं जाता। पक्षी भी डर ...................... उससे दूर रहते हैं।

## 3. समुच्चयबोधक (Conjuction)

आजकल होटलों में रोबोट और मनुष्य मिलकर काम कर रहे हैं। कुछ बच्चों ने रोबोट पहली बार देखा है इसलिए वे रोमांचित हैं। रोबोट ने बिल बनाया लेकिन उसमें कुछ गलती हो

इन वाक्यों में छपे रंगीन शब्द 'और', 'इसलिए' तथा 'लेकिन' दो शब्दों या वाक्यों को जोड़ रहे

**दो शब्दों, वाक्यांशों या वाक्यों को जोड़ने वाले शब्दों को समुच्चयबोधक या योजक ( जोड़ने वाला ) कहते हैं।**

**कुछ प्रमुख समुच्चयबोधक शब्द—** बल्कि, अन्यथा, यद्‌यपि, हालाँकि, पर, परंतु, तथा, लेकिन, क्योंकि आदि।

उदाहरणार्थ इन वाक्यों को पढ़ो—

* उसने मेहनत की लेकिन सफल न हो सका।
* भाई और बहन ने स्वर्णपदक जीता।
* बादल गरजे परंतु बारिश नहीं हु
* श्याम या राम में से कोई एक जा

### हमने क्या जाना

- दो शब्दों, वाक्यांशों या वाक्यों को जोड़ने वाले शब्दों को **समुच्चयबोधक** अथवा योजक कहते हैं।

# अभ्यास

## देखें, क्या जाना

1. **समुच्चयबोधक शब्दों को पहचानकर घेरा लगाओ—**

क. चाहे छोटा हो या बड़ा सभी भारतीय हैं।

ख. खूब पढ़ो वरना फेल हो जाओगी।

ग. रोज़ व्यायाम करो ताकि स्वस्थ रहो।

घ. लता और आशा जी दोनों अच्छा गाती हैं।

ङ. ऐसे काम करो जिससे सबका भला हो।

च. पैसेवाले हो परंतु कंजूस हो।

2. **सही समुच्चयबोधक शब्द लिखकर वाक्य पूरे करो—**

क. अगर जल्दी आते .................. नाटक देख पाते।

ख. मैं .................. नानी रोज़ पार्क में जाते हैं।

ग. फ़रज़ाना पूरे विद्यालय में ही नहीं .................. पूरे राज्य में प्रथम आई है।

घ. हम शेर .................. हाथी दोनों को चिड़ियाघर में देख सकते हैं।

ङ. उसने मेहनत तो बहुत की .................. सफल न हो सका।

3. **वाक्यों को रेखा खींचकर उचित योजक से जोड़ो—** ***(Decision Making)***

| | | |
|---|---|---|
| क. आँधी तेज़ थी | और | उसके भाई की शादी थी। |
| ख. मोहित अवकाश पर था | अन्यथा | चक्कर भी आ रहे थे। |
| ग. बादल गरजे | इसलिए | बारिश नहीं हुई। |
| घ. जल्दी-जल्दी स्टेशन चलो | क्योंकि | पेड़ गिर गया। |
| ङ. उसे बुखार था | परंतु | गाड़ी छूट जाएगी। |

## 4. विस्मयादिबोधक (Interjection)

भारत और ईरान की कबड्डी टीमों के बीच मैच हो रहा है। ओह! उस खिलाड़ी को चो
लग गई। अरे! खेल रुक गया। वाह! खेल फिर शुरू हो गया। शाबाश! भारतीय टीम जीत गई।

इन वाक्यों में आए रंगीन छपे शब्द 'ओह', 'अरे', 'वाह', 'शाबाश' क्रमशः दुख, आश्चर्य, प्रसन्नता और प्रशंसा के भाव प्रकट कर रहे हैं। ये विस्मयादिबोधक शब्द हैं। इनके बाद (!) चिह्न लगता है।

**जिन शब्दों से खुशी, दुख, शोक, आश्चर्य, डर आदि भावों का पता चलता है, उन्हें विस्मयादिबोधक कहते हैं।**

**कुछ प्रमुख विस्मयादिबोधक शब्द**—हे राम, बाप रे, काश, अहा, हाय, खबरदार, सावधान, काश आदि।
उदाहरणार्थ, इन वाक्यों को पढ़िए—

* काश! मैं भी जा पाता।
* खबरदार! किसी चीज़ को हाथ मत लगाना।
* हाय! यह क्या हो गया?
* बाप रे! इतना बड़ा प्रश्न-पत्र।
* छिः! कितनी मक्खियाँ हैं।
* वाह! मज़ा आ गया।

### हमने क्या जाना

- गुस्सा, घृणा, आश्चर्य, खुशी आदि मन के भावों को प्रकट करने वाले शब्द **विस्मयादिबोधक** कहलाते हैं।
- विस्मयादिबोधक शब्दों के बाद विस्मयादिबोधक चिह्न (!) लगाया जाता है।
- विस्मयादिबोधक शब्दों को सदैव वाक्य के प्रारंभ में लिखा जाता है।

# अभ्यास

## देखें, क्या जाना

(Decision Making)

1. नीचे लिखे विस्मयादिबोधक शब्दों का सही भावों से मिलान करो—

| | |
|---|---|
| वाह | घृणा |
| अरे | खुशी |
| छिः | प्रशंसा |
| ओह | हैरानी |
| शाबाश | शोक |
| हाय | दुख |

2. उचित विस्मयादिबोधक शब्द लिखकर वाक्य पूरे करो—

क. ........................ कितना सुंदर फूल है।

ख. ........................ तुम कब आए?

ग. ........................ कितनी गदंगी है।

घ. ........................ आगे सड़क टूटी है।

ङ ........................ मैं प्रथम आता।

3. विस्मयादिबोधक शब्दों को पहचानकर घेरा लगाओ—

क. बाप रे! इतना पानी कहाँ से आ गया?

ख. थू-थू! यह क्या खिला दिया?

ग. हाय! यह क्या हो गया?

घ. वाह! कितना सुंदर दृश्य है।

ङ ओह! तो तुम हो।

Language Game

# भाषा-खेल-2 शब्द सीढ़ी

संकेतों की मदद से वर्ग-पहेली पूरी करो— (Problem Solving / Creative Thinking)

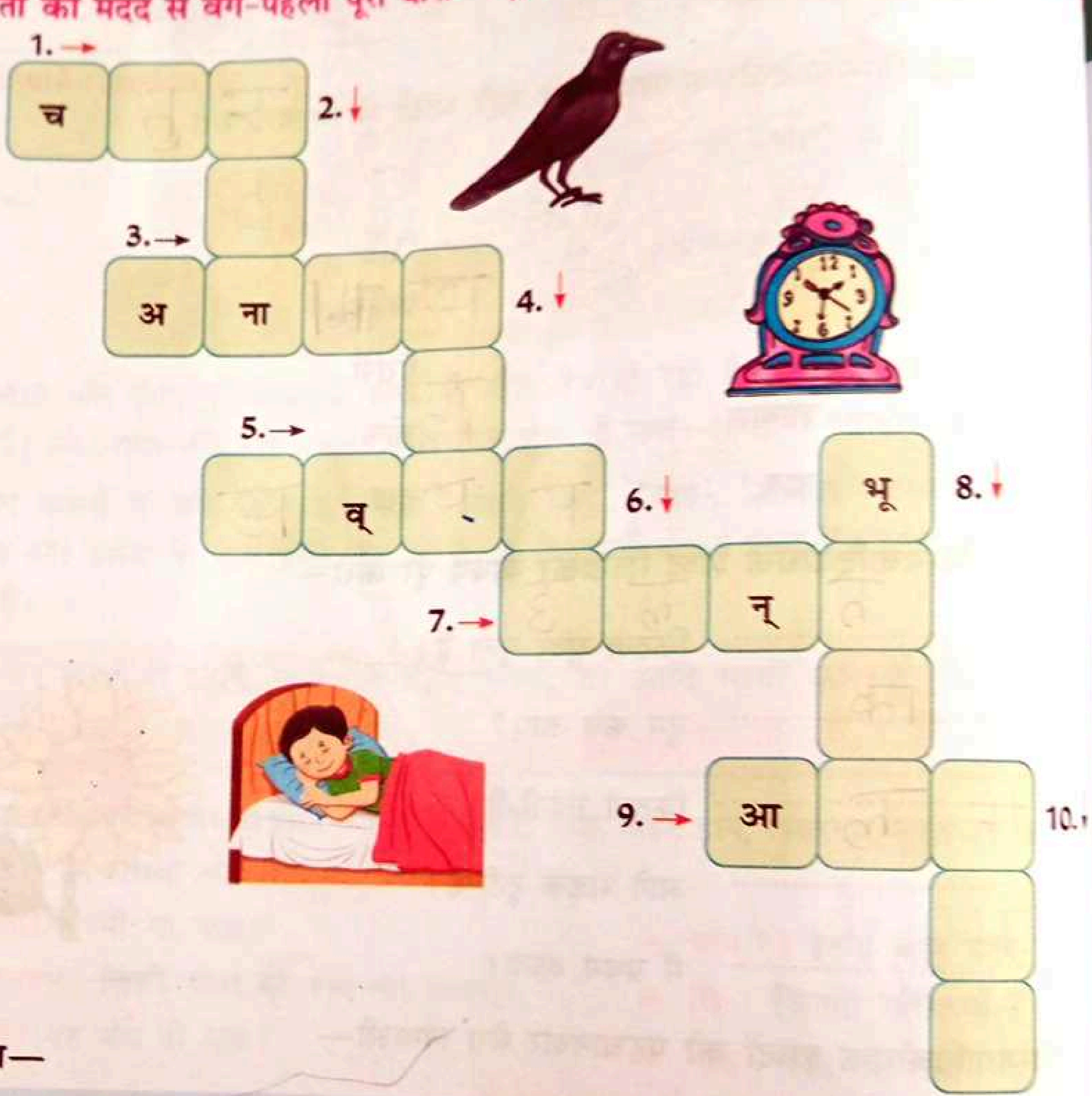


**संकेत—**

→ 1. एक प्रसिद्ध कहानी— '............ कौआ'

3. रीतिवाचक क्रियाविशेषण

5. अविकारी का दूसरा नाम

7. स्वर रहित व्यंजन के नीचे इसे लगाते हैं।

9. गुणवाचक विशेषण (सुस्त का पर्याय)

↓ 2. 'रह' से बनी क्रिया

4. काल का अर्थ

6. एक सार्वनामिक विशेषण

8. बीता हुआ समय

10. 'सीख' शब्द पर आधारित क्रिया